

करने के लिए केंद्र में रखे जाने वाला स्थान या बिंदु 3. छप्पर का पारवा 4. चंद्रमा की आकृति का ज्योमेट्री (ज्यामिति) में प्रयुक्त होने वाला एक उपकरण जो कोण बनाने के काम में आता है।

चाँदी स्त्री. (देश.) एक सफेद चमकीली धातु जो बहुत नर्म होती है और उसके सिक्के तथा आभूषण आदि बनाए जाते हैं, साथ ही प्रौद्योगिकी द्वारा औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन में इसका उपयोग होता है मुहा. चाँदी काटना/चाँदी होना- खूब माल मारना या खूब धन की आमद होना, अचानक आय में खूब बढ़ोतरी होना; चाँदी का जूता- उत्कोच या घूस अथवा लालच; चाँदी होना- भाग्य खुल जाना प्रयो. आजकल तो आप खूब चाँदी काट रहे हैं, अब उनकी तो खूब चाँदी हो रही है या नवरात्र या अन्य त्यौहारों (रमजान) आदि के समय फलवालों की खूब चाँदी हो जाती है।

चाँप स्त्री. (देश.) सोने की कीलें जिन्हें लोग अपने दाँतों में लगवाते हैं पुं. चंपा का फूल।

चाँपना स.क्रि. (तत्.) 1. दबाना 2. मोड़ना।

चाँपाकल स्त्री. (देश.) वह कल या मशीन जिसे हाथ से दबा या चलाकर पानी निकाला जाता है।

चाँय-चाँय स्त्री. (देश.) 1. व्यर्थ की बातें या बकबक 2. परस्पर कहासुनी।

चाँवचाँव स्त्री. (तत्.) चाँय-चाँय।

चाँवर स्त्री. (देश.) पुं. चावल।

चाउर पुं. (देश.) स्त्री. चामर, चावल।

चाक पुं. (तद्.) 1. पहिए के आकार वाला वह गोल पत्थर जो एक कील पर घूमता है, इस पर मिट्टी का लौंदा रखकर कुम्हार बर्तन बनाते हैं 2. गाड़ी या रथ या पहिया 3. चरखी, जिस पर कुएँ से पानी खींचने की रस्सी रहती है, घिरनी 4. थापा जिससे खलियान की राशि पर छाप लगाते हैं 5. सान-जिस पर छुरी, कटार आदि की धार तेज की जाती है 8. मंडलाकार चिह्न की रेखा पुं. (फा.)

1. दरार, चीर 2. आस्तीन का खुला मोहरा वि. (तुर्की) 1. दढ़ मजबूत, पुष्ट, हृष्ट-पुष्ट, तंदुरुस्त।

चाकचक वि. (अनु.) चारों ओर से सुरक्षित, दढ़।

चाकचका स्त्री. (तत्.) चमक-दमक, शोभा, सुंदरता, उज्ज्वलता।

चाकचिक्य पुं. (तत्.) 1. चमक 2. चकाचौंध।

चाकना स.क्रि. (देश.) सीमा या हद खींचना, सीमा बाँधने के लिए किसी वस्तु को रेखा या चिह्न खींचकर चारों ओर से घेरना 2. खलियान में अनाज की राशि पर मिट्टी या राख से छपा लगाना जिससे यदि अनाज निकाला जाए तो मालूम पड़ जाए।

चाकर पुं. (फा.) दास, नौकर, सेवक।

चाकरनी स्त्री. (देश.) दे. चाकरानी।

चाकरानी स्त्री. (देश.) नौकरानी, दासी, सेविका।

चाकरी स्त्री. (फा.) नौकरी, खिदमत।

चाकलेट पुं. (अं.) 1. ककाओं के बीज को पीसकर तैयार किया गया भोज्य पदार्थ 2. एक विशेष आधुनिक मिठाई।

चाकसू पुं. (तद्.) बनकुलथी का पौधा।

चाका पुं. (देश.) चाक।

चाकि पुं. (तद्.) 1. बिजली 2. वज्र।

चाकू पुं. (तुर्की) कलम, फल, सब्जी इत्यादि को काटने या छीलने का औज़ार, छुरी।

चाक्र वि. (तत्.) 1. चक्र संबंधी 2. चक्र की आकृति का 3. जिस पर पहिए लगे हो 4. चक्र द्वारा किए जाने वाला युद्ध।

चाक्रायण पुं. (तत्.) चक्र नामक ऋषि के वंशज।

चाक्रिक पुं. (तत्.) 1. मंडलाकार में स्तुति गायक, चारण, भाट 2. तेली 3. गाड़ीवान 4. कुम्हार 5. अनुचर।

चाक्रेय वि. (तत्.) चक्र संबंधी।

चाक्षुष वि. (तत्.) 1. चक्षु (आँख संबंधी), नेत्र का 2. प्रत्यक्ष प्रमाण पुं. 1. प्राचीन न्याय दर्शन में